

हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 2 नवंबर 2025

12 विवाह शादियों के सीजन से बाजार गुलजार...

12 अध्यापिकाओं की म्यूजिकल चैयररैस के साथ साथ...

बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय में लगातार घट रही थी सीटें

आयुर्वेदिक कॉलेज की सीटें 63 से बढ़कर हुई 100, इसी सत्र में होंगे एडमिशन, अब स्वास्थ्य मंत्री के हस्तक्षेप से हुई बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज नारनौल

बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय को 2025-26 सत्र के लिए राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) से 100 सीटों की अनुमति देने का पत्र जारी हुआ है। 100 सीटों से शुरू किए गए इस आयुर्वेद कॉलेज में वर्तमान में चल रहे सत्र में केवल 63 सीटें ही रह गई थीं, लेकिन अब स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के हस्तक्षेप के बाद इसकी सीटें बढ़ाकर पुनः 100 सीट कर दी गई हैं। अब तक 63 सीटों पर एडमिशन हो चुका है तथा अब शेष 37 सीटों पर एडमिशन प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

आपको बताते चले कि कांग्रेस कार्यकाल में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री राव

नरेंद्र सिंह की मांग पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक मई 2011 को इस कॉलेज का शिलान्यास किया था। करीब छह साल में काम पूरा हुआ और 10 जुलाई 2017 में इस आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज भवन को पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग ने सरकार को सौंपा दिया। इसके बाद भाजपा सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इस कॉलेज का 13 नवंबर 2017 को शुभारंभ किया। इस आयुर्वेदिक कॉलेज में बीएएमएस की कक्षाएं शुभारंभ के छह साल बाद शुरू हुईं। इस बीच आयुर्वेदिक अस्पताल का संचालन होता रहा। इस दौरान कोविड काल भी आया और मजबूरन इसी भवन में कोविड अस्पताल बनाया पड़ा। यहां पर कोरोना प्रस्त मरीजों

को उपचार किया गया। यह भी एक कारण रहा, जिस वजह भी कक्षाएं देरी का कारण रही। फिर प्रदेश के एकमात्र सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज की शुरुआत वर्ष 2022 से हुई थी। उस समय 100 सीटों पर दाखिले हुए थे। गत वर्ष कठोर मानकों के कारण एनसीआईएसएम ने कॉलेज में वर्ष 2023 में घटकर 70 और 2024 में इससे भी ज्यादा घटकर 30 सीटों पर दाखिले हुए थे। इस बार जब नया सत्र शुरू हुआ, तब सरकार ने 33 सीटें और बढ़ाते हुए इस वर्ष के लिए 63 सीटें निर्धारित की थीं। दूसरी ओर कॉलेज प्रशासन की ओर से आयुष विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्राचार जारी रखा गया और इसमें विधायक ओमप्रकाश यादव एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की भी मदद ली गई।



अस्पताल में 350 रोगियों की चल रही औपडी

यहां अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 350 रोगी औपडी में विभिन्न बीमारियों जैसे जोड़ों का दर्द, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तंत्र रोग, स्त्री रोग तथा पंचकर्म, क्षारसुत्र एवं योग वेलेनेस परामर्श लेने आते हैं। अस्पताल में अर्ती रोगियों के लिए नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था है, वहीं दैनिक नि:शुल्क योग कक्षाएं भी कराया जाता है।

यह कहते हैं प्राचार्य

यह सफलता राज्य सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जिसने कॉलेज को राज्य में आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बना दिया है। इस बार 63 सीटों पर एडमिशन हो चुके हैं तथा अब शेष 37 सीटों की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। सीटें बढ़ने से बीएएमएस करने के इच्छुक विद्यार्थियों को लाभ होगा।

प्राचार्य व चिकित्सा अधीक्षक डा. श्रीनिवास गुज्जरवार, आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल पटीकरा

प्रिंसिपल के नाम यह मेजा गया पत्र

एनसीआईएसएम अधिनियम 2020 की धारा 29 के तहत सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यूजी (बीएएमएस) पाठ्यक्रम में 100 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ बाबा खेतानाथ सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल पटीकरा (संस्थान आईडी AVU0714) को अनुमति का तीसरा नवीनीकरण प्रदान किया है। इस पत्र में आकलन एवं रेटिंग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सिद्धलिंगेश एम. कुदरी ने बताया है कि सक्षम प्राधिकारी ने सरकारी/सहायता प्राप्त एएसयू कॉलेजों में यूजीपीजी सीटों के लिए पूर्ण अनुमति के आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिन्हें या तो अस्वीकार कर दिया गया था या उनकी संबंधित प्रवेश क्षमता की तुलना में कम प्रवेश क्षमता के साथ अनुमति दी गई थी। उपरोक्त के महानजरा बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल पटीकरा को एनसीआईएसएम अधिनियम 2020 की धारा 29 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यूजी (बीएएमएस) पाठ्यक्रम में 100 सीटों के साथ अनुमति का तीसरा नवीनीकरण प्रदान किया जाता है। तथापि निर्देश दिया जाता है कि बोर्ड के पूर्व समसंख्यक अनुमति पत्र 24.07.2025 में उल्लिखित सभी कमियों को पूरा करें और 31 दिसम्बर 2025 से पूर्व बोर्ड को अनुपालन रिपोर्ट भेजें। ऐसा न करने पर आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए अनुमति प्रक्रिया स्थगित कर दी जाएगी।

खबर संक्षेप

समस्याओं को लेकर इनेलो की बैठक आज

नारनौल। इंडियन नेशनल लोकदल के कार्यकर्ता तीन नवंबर 11 बजे जलभराव की निकासी, फसलों की विशेष गिरदावरी, मुआवजा, धान व बाजरे की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर न खरीदने तथा खाद की किल्लत जैसी किसानों समस्याओं को लेकर महेंद्रगढ़ में प्रदर्शन करेंगे। जिला प्रवक्ता नवीनी सिंह दिल्ली ने बताया कि सोमवार को 11 बजे जिला प्रधान सुरेन्द्र कौशिक के नेतृत्व में उपायुक्त को ज्ञापन देंगे। दो नवंबर को 11 बजे इनेलो पदाधिकारियों की जिला प्रधान के आवास पर बैठक होगी।

बिजली समस्या समाधान के लिए नंबर जारी

नारनौल। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर जारी किए हैं। इस बारे में एक्सपर्ट शिराज ने बताया कि उपभोक्ता बिजली से संबंधित शिकायत जैसे बिजली खराब होना, तार व पोल टूटना व अन्य बिजली से संबंधित शिकायत दर्ज करवाने के लिए टोल फ्री 1912 या 18001804334, बिजली सुविधा केन्द्र नारनौल 8059888209, 8816888991 या व्हाट्सएप नंबर 8813999708 का प्रयोग कर सकते हैं।

ट्रेक्टर से दीवार तोड़ने के आरोप में दो नामजद

कनीना। ट्रैक्टर से दीवार तोड़ने के आरोप में पुलिस ने दो व्यक्तियों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। गांव पोता निवासी राजकुमार ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपने खेत में दीवार बनाई हुई है। जिसके ऊपर तारबाड़ भी की गई है। उन्होंने अपनी शिकायत में संदीप व लोकेंद्र पर ट्रैक्टर से दीवार को क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पेट्रोल पम्प से नया ट्रेलर चोरी

नारनौल। शहर थाना क्षेत्र में खड़े एक नया ट्रेलर चोरी हो गया। राजस्थान के खेतड़ी जिला झुंझुनू के गांव ठाठवाड़ी निवासी जगत सिंह ने पुलिस को शिकायत दी में बताया कि उन्होंने 18 अक्टूबर को पावटा से एक ट्रेलर खरीदा था। जिसका स्थायी रजिस्ट्रेशन नंबर व टॉली का कुछ कार्य बाकी था, इसलिए उन्होंने ट्रेलर को स्टेशन निजामपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप पर खड़ा कर रखा था। शिकायत में बताया है कि बीती रात अज्ञात चोर वहां से ट्रेलर चोरी कर ले गए।

खोड़ में ग्यारह माता का जागरण आज

मंडी अटेली। गांव खोड़ में दो नवम्बर को ग्यारह माता का जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ध्वजा यात्रा मंदिर तक सुबह सवा छह बजे व हवन सवा नौ तथा जागरण रात्रि नौ बजे शुरू किया जाएगा। कमलेश सैनी एवं अन्य हमीदपुरिया माता के भजनों का गुणगान करेंगे।

बाजरा बदरंग होने से नहीं मिल रहे पूरे दाम

महेन्द्रगढ़ मंडी में बाजरे की आवक जारी

रेट कम होने से किसानों को नुकसान

महेन्द्रगढ़ मंडी में 23 सितंबर से सरकार ने शुरू कर दी थी बाजरा खरीद की घोषणा लेकिन बाजरा बदरंग होने से अब तक नहीं हुई खरीद चालू

यदि एक एकड़ जमीन की पैदावार 10 विंटल बाजरा पैदा होना माना जाए तो एक किसान को प्रति एकड़ 3000 रुपये का नुकसान हो रहा है जबकि जिन किसानों ने ज्यादा जमीन पर बाजरा बोया था, उन्हें और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है।

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

अबकी बार बाजरे की सरकारी खरीद अब तक भी चालू नहीं होने से किसान प्राइवेट में आदतियों के हाथों बाजरा बेचने को मजबूर हो रहे हैं। हालांकि किसान सरकारी खरीद चालू नहीं होने का फायदा उठाते दिख रहे हैं और बाजरे का महज 1900 रुपये प्रति विंटल की दर से ही खरीद रहे हैं, जबकि सरकार ने इस बार बाजरे का सरकारी समर्थन मूल्य 2775 रुपये प्रति विंटल घोषित किया हुआ है। ऐसे में आदतियों की खरीद एवं सरकारी रेट के बीच लगभग 975 रुपये का भारी अंतर बना हुआ है, जबकि सरकार ने भावांतर भरपाई के तहत महज 575 रुपये ही देने की घोषणा की हुई है। ऐसे में यदि भावांतर का पैसा मिल भी जाए तो भी किसानों को सीधे एक विंटल का ही 300 रुपये का नुकसान हो रहा है। यदि एक एकड़ जमीन की पैदावार 10 विंटल बाजरा पैदा होना माना जाए तो एक किसान को प्रति एकड़ 3000 रुपये का नुकसान हो रहा है। जबकि जिन किसानों ने ज्यादा जमीन पर बाजरा बोया था, उन्हें और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि अबकी बार बाजरा बोने वाले किसान घाटे में ही रहेंगे।



महेन्द्रगढ़। अनाज मंडी में कट्टों में भरकर रखा बाजरा। फोटो: हरिभूमि

मंडी में बाजरा आवक की स्थिति

महेन्द्रगढ़ मंडी में बाजरे की प्राइवेट खरीद जारी है और किसान भी अपना बाजरा लेकर मंडी पहुंच रहे हैं। मंडी में अब तक 2187 किसान बाजरा बेचने आ चुके हैं तथा उनका 68 हजार 334 विंटल बाजरा अब तक बिक चुका है।

यह बोले व्यापारी

मंडी के व्यापारी कपिल ने बताया कि महेन्द्रगढ़ मंडी में बाजरा 1900 रुपये प्रति विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। अन्य व्यापारियों ने बताया कि इस बार अत्यधिक बारिश के कारण बाजरा खराब होकर काला हो गया था, जिसको मुर्गे भी नहीं खा रहे हैं। फिलहाल बाजरा खरीद कर उसका स्टॉक किया जा रहा है।

बाजरे का एमएसपी 2775 रुपये प्रति विंटल

उल्लेखनीय है कि इस बार मानसून सीजन के दौरान लगातार खूब बारिश होती रही थी। इस बारिश के सितंबर के अंत तक भी जारी रहने के चलते खेतों में खड़ा बाजरा खराब होने लग गया था और बाजरे की समय पर कटाई नहीं हो सकी थी, जिस कारण बाजरा खड़ा-खड़ा ही बदरंग होने से काला पड़ गया था, जिसे नियमों का हवाला देकर सरकारी खरीद एजेंसियों ने हाथ लगाना मुनासिब नहीं समझा था, जिस बाजरे की हाथ लगाया और उसे लैब में चेक कराया तो वह नमूने बार-बार फेल पाए गए, जिस कारण सरकारी खरीद अब तक चालू नहीं हो सकी। इसी कारण अब किसान प्राइवेट में आदतियों को बाजरा ओले-पोले दामों पर बेच रहे हैं। वे प्राइवेट खरीद एजेंसी मनमाने रेट पर किसानों के बाजरे की खरीद बोली लगाकर कर रहे हैं, जिस कारण किसान परेशान हैं। किसानों का कहना है कि बाजरे की एमएसपी 2775 रुपये है। इनमें 2200 एमएसपी तथा 575 रुपये भावांतर भरपाई के शामिल हैं, जबकि किसानों का बाजरा 1800-1900 रुपये से भी कम में खरीदा जा रहा है। इससे नीचे खरीद कर किसानों को नुकसान हो रहा है।



नांगल चौधरी। शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग। फोटो: हरिभूमि

ऑटो पार्ट्स की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

हरिभूमि न्यूज नांगल चौधरी

कनस्तर व अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी थी। सुबह पड़ोसी दुकानदार से धुएँ का गुब्बारा देखकर मोबाइल पर सूचना दी। इसके बाद सात बजे दुकान पर पहुंचा तथा शटर खोलकर आगजनी का जायजा लिया। इस दौरान दुकान का पूरा सामान जला हुआ पाया। पीड़ित ने तुरंत पुलिस को घटना से अवगत कराया। मौके पर पहुंचे थाना इंचार्ज ने घटना का जायजा लिया और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया। दमकली की मदद से आगजनी को बुझाया तथा बिजली की सप्लाई को बंद कराया, लेकिन तब तक दुकान क्षतिग्रस्त होने के अलावा पांच लाख का सामान जल चुका था। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत करके मदद की गुहार लगाई है।

बहरोड़ रोड पर स्थित एक ऑटो स्पेयर पार्ट्स की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आगजनी में करीब पांच लाख का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित दुकानदार ने जिला प्रशासन से अधिक मदद की गुहार लगाई है। दुकान मालिक हुकम सिंह ने बताया कि बहरोड़ रोड पर बाइक रिपेयर व स्पेयर पार्ट्स की दुकान खोल रखी है। दीपावली के उत्सव पर बाइक रिपेयर का काम बढ़ गया था, इसलिए चार/पांच लाख का सामान भरा था। बीती देर शाम करीब सात बजे दुकान को सही सलामत बड़ाकर घर गया था। रात को संबन्धित शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। दुकान में ऑयल के



नारनौल। बैठक करते परिषद के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

वीर गुर्जर महापंचायत के 11 बिंदुओं के अनुरूप ग्राम स्तर कमेटी का होगा गठन

गुर्जर कल्याण परिषद की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक धौलेड़ा रोड स्थित निजी बीएड कॉलेज में आयोजित की गई। जिसमें समाज के गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठजनों व युवाओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता मंगलराम साहब बेरंडला ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य वीर गुर्जर महापंचायत पनियाला (कोटपूतली) में पारित 11 बिंदुओं को जिले के प्रत्येक गांव में प्रभावी रूप से लागू करवाना था। गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि बैठक में जिले में 51 सदस्यों की निगमनी समिति के गठन हेतु नामों पर चर्चा की गई और आवश्यकता पड़ने पर जिनकमी संख्या 101 तक बढ़ाई जा सकती है। बैठक में कहा कि बिना जिम्मेदारी तय किए बहुत कम लोग आगे आते हैं, इसलिए प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय की जाएगी। प्रत्येक गांव से समाज सुधार

प्रतिभा सम्मान समारोह 9 को

नारनौल। सेठ गणेशीलाल मेमोरियल एवं वैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ नागरिक संगठन के सहयोग से किला रोड स्थित साहवी बहन मिश्री देवी आश्रम में नौ नवम्बर को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने बताया कि जिसमें नगर परिषद की सीमा में आने वाले सभी प्राथमिक विद्यालयों के 10-10 ज्यूरतमबंद बच्चों को स्टेटर, जूते, जुराब नि:शुल्क वितरित किए जायेंगे। इसके साथ सभी गणेशीलाल की आर्थिक सहयोग, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित सेकेडरी व सैनियर सेकेडरी परीक्षा में प्रथम पाने वाले, महाविद्यालयों व पोलेटकनिक संस्थान के एक-एक छात्र-छात्रा, जिन्होंने शैक्षिक परीक्षा व एनएसएस, एनसीसी, सांस्कृतिक व खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उनको आर्थिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र व्यापारी दिनेश कुमार मिश्र, विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्ण प्रभा, डॉ. हेमन्त कुमार, डॉ. सुरेन्द्र मिश्र होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजेन्द्र कुमार संधी वरिष्ठ अधिवक्ता करेंगे।

हरियाणवी नृत्य व गायन से गूंजी बीरबल की नगरी

नारनौल। हरियाणा दिवस पर पीजी कॉलेज शनिवार को पूरी तरह से हरियाणवी रंग में रंगा नजर आया। जिलेभर से आई सांस्कृतिक टीमों ने हरियाणवी नृत्य व गायन की ऐसी छटा बिखेरी कि सभागार में मौजूद दर्शक झूमने को मजबूर हो गए। नृत्य और गायन के अलावा कला के माध्यम से भी हरियाणा की संस्कृति को दर्शाया गया। विद्यार्थियों ने पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग में हरियाणा की ग्रामीण जीवन शैली और ऐतिहासिक धरोहरों को केनवास पर उकेरा। वहीं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने हरियाणवी गौरव और संस्कृति पर आधारित प्रेरणादायक नारे लिखे। इससे पहले बड़ी एलएडी के जरिए पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को लाइव दिखाया गया। जहां हरियाणा के राज्यपाल असीम घोष



नारनौल। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देती सांस्कृतिक टीम।

व मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपायुक्त केएन मनोज कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

हाथों में तिरंगा लेकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देते हुए आगे बढ़े एकता का संदेश लेकर निकली यूनिटी मार्च पद यात्रा

हरिभूमि न्यूज नारनौल

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती व हरियाणा दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से यूनिटी मार्च पद यात्रा का आयोजन किया गया। माई भारत सहयोगी इस यात्रा का शुभारंभ गांव दौंगड़ा अहीर से हुआ। यह यात्रा नांगल सिरौही तक लगभग 10 किलोमीटर की दूरी तक चली। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ता, विद्यार्थी, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि हाथों में तिरंगा लेकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश देते हुए आगे बढ़े। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने तिरंगा दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक



नारनौल। यूनिटी मार्च में शामिल सांसद व अन्य।

किशनलाल सैनी, योगेश शास्त्री, नित्यानंद यादव, मंजीत यादव, मामन, पवन देव सहित जिले के सभी मंडल अध्यक्ष व भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

राष्ट्रीय एकता की शपथ ली

सांसद चौधरी धर्मवीर ने कहा कि सरदार पटेल ने सभी रियासतों को भारत में मिलाने के लिए, जो काम किया उस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। यात्रा के आरंभ में पर प्रतिभागियों ने राष्ट्रध्वज के सम्मान में खड़े होकर एकता और समरसता की शपथ ली। सांसद ने सभी को स्वदेशी अपनाने, नरेश व अन्य सामाजिक बुगड़ियों से दूर रहने की शपथ दिलाई। समापन पर भी युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पौधरोपण व हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया तथा स्वदेशी के संकल्प पत्र भी बांटे गए।

पुष्पवर्षा कर किया यात्रा का अभिनंदन

यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने जगह जगह स्वागत झर बनाए। जहां स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया। पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजता रहा। युवा वर्ग, विद्यार्थियों व सामाजिक संगठनों की बड़ी भागीदारी ने यात्रा को जन आंदोलन का रूप दिया। जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को नमन करते हुए यह यात्रा राष्ट्र की एकता और समरसता की शपथ ली। सांसद ने सभी को स्वदेशी अपनाने, नरेश व अन्य सामाजिक बुगड़ियों से दूर रहने की शपथ दिलाई। समापन पर भी युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पौधरोपण व हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया तथा स्वदेशी के संकल्प पत्र भी बांटे गए।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लॉन्गम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लॉन्गम के साथ ही साथ रिस्ट्रैटेड इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निपॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है। हालांकि इनमें आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निप्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की स्थिति को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करने तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कइते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम

एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन

5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लॉन्गम की रकम

10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया

1 लाख के लॉन्गम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ

इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निपॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
● लॉन्गम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
■ 1 लाख के लॉन्गम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
■ एसआईपी पर 10 साल का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
■ 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
■ एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %
क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
● लॉन्गम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
■ 1 लाख के लॉन्गम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
■ एसआईपी पर 10 साल का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
■ 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
■ एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %
एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
● लॉन्गम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
■ 1 लाख के लॉन्गम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
■ एसआईपी पर 10 साल का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
■ 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
■ एक्सपेंस रेशियो : 0.57%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
● लॉन्गम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
■ 1 लाख के लॉन्गम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
■ एसआईपी पर 10 साल का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.13%
■ 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
■ एक्सपेंस रेशियो : 0.68%
एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
● लॉन्गम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
■ 1 लाख के लॉन्गम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
■ एसआईपी पर 10 साल का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
■ 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
■ एक्सपेंस रेशियो : 0.76%



हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट केप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्क माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फेरफाल करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. उच्च विकास क्षमता: स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. जोखिम: स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. विविधीकरण: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. लंबी अवधि के लिए निवेश: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. उच्च रिटर्न: स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. विविधीकरण: निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. नई कंपनियों में निवेश: आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन 5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिगनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबर्दस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- लार्ज कैप फंड्स : ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- मिड कैप फंड्स : ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- स्मॉल कैप फंड्स : ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- मल्टीकैप फंड्स : ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- फोकरड फंड्स : ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- सेक्टरल फंड्स : ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इन्वेस्टो इंडिया मिडकैप फंड

इन्वेस्टो इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

हेलिऑस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिऑस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई पू फ्लेक्सिबल फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमशः 23.82% और 23.22% का एक्सआईआर आर दिया। फ्लेक्सिबल फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआर आर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकरड फंड

कोटक फोकरड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआर आर दर्ज किया। फोकरड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकरड बना रहता है। इनके अलावा मीरा एस्टेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआर आर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई फ्लेक्सिबल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़ों को पार किया।

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का प्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूरत होना चाहिए, ताकि किसी भी परिस्थिति के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुँह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परिस्थिति आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। आपका रिटर्न और प्रोफिट जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना या रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी

बिगनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है। फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। एसआईपी बढ़ाते रहें सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपी में 10-15% इजाफा करें। कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं। एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें 40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा। एनपीएस में निवेश करें नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटररेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है। 40 साल की उम्र: ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक अब आपकी कमाई घटने पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट की ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें। रिटायरमेंट फंड का आकलन करें महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें। उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कोर्स करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए। रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुरक्षित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं। कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फॉलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजेक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हालांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। वैसे तो कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। वैसे तो कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल हैं। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे



कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम में लगाया जाएगा। कितना पैसा और कितनी स्कीम में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

खबर संक्षेप

प्रदोत्तरी में हर्ष की टीम व मेहंदी में निशा प्रथम तोशाम। गांव कैरू स्थित बाबा मुंगीपा एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स स्कूल में राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का प्रतीक रन फॉर यूनिटी बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया और साथ ही लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। विद्यालय प्राचार्य रमेश रंगा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को एकता में श्रेष्ठता के भाव को उजागर करते हुए खास बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रन फॉर यूनिटी के तहत आयोजित 3 किलोमीटर की मैराथन दौड़ रही।

पटेल जयंती पर लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प भिवानी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर वैश्य महाविद्यालय में एकता मार्च निकाला। उच्चतर जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार एकता मार्च में प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, स्टाफ सदस्यों के साथ स्वयंसेवकों ने एकता मार्च में भाग लिया। मार्च को विधायक घनश्यामदास सराफ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता मार्च के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत राष्ट्रीय एकता दिवार निर्माण प्रतियोगिता और शपथ समारोह का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाता है उन्होंने देश को एकता के सूत्र में पिरोया।

उत्सव में दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की दी शानदार प्रस्तुतियां

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के आगे द्वीप प्रज्वलित कर किया

आस्था स्पेशल स्कूल में हरियाणा स्थापना दिवस पर दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के आगे द्वीप प्रज्वलित करके किया और दिव्यांग बेटियों ने अतिथियों को तिलक लगाकर स्वागत किया। मुख्यतिथि शिक्षाविद निर्मल वर्मा, मोनिका संजय शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. आर्दित कुलश्रेष्ठ,

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में मनाया हरियाणा दिवस

गांव मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में शनिवार को हरियाणा दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम स्कूल के असेंबली ग्राउंड में आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और राज्य के प्रति प्रेम का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और हरियाणा राज्य गीत से की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले गीत, नृत्य, कविताएं और भाषण प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, किसानों की मेहनत, सैनिकों की वीरता और महिलाओं के योगदान पर आधारित प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य नितोश मिश्र ने विद्यार्थियों को

जनता कालेज में हरियाणा दिवस पर करवाई विभिन्न प्रतियोगिताएं

जनता कालेज में हरियाणा दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि दायरी विधायक सुनील सांगवान और बाहुडा विधायक उमेश पातुवास ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. सुनीश नागपाल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन करके किया। जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में अपना संदेश देते हुए विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति समर्थ है, दूसरे प्रदेशों में कहा भी जाते हैं, हरियाणवियों की एक अलग ही पहचान होती है, यहां का भाषा रहन-सहन और पहनावा अलग ही है। उपायुक्त ने कहा कि 1 नवंबर का दिन हम सभी

जिला स्तरीय पोस्टर मेकिंग में तोशाम के मॉडल संस्कृति स्कूल की कोमल प्रथम हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक उत्सव में छात्राओं व कलाकारों ने जमाया रंग



भिवानी। पंचायत भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का द्वीप प्रज्वलित करके शुभारंभ करते विधायक घनश्यामदास सराफ व विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

हरियाणवी संस्कृति की बिखेरी छटा

जिला स्तरीय पोस्टर लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान पर रहने वाले राजकीय मॉडल संस्कृति वमा स्कूल तोशाम की कोमल, द्वितीय राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल सिवाली मंडी से मन्नु देव और तृतीय स्थान पर रहने वाले गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुई के अरमान को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. सचिपाली राधाकृष्णन स्कूल की छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इसके अलावा राजकीय कन्या वमा विद्यालय और टी.आई.टी. स्कूल की छात्राओं ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की जोरदार प्रस्तुति दी।

विधायक सराफ व विधायक वाल्मीकि ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन करके किया। विधायक सराफ ने कहा कि प्रदेश सरकार नई-नई जन कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। पेपरलेस स्टॉप रजिस्ट्री ऑनलाइन शुरू की गई है, इससे रजिस्ट्री में कम खर्च होगा। इसी प्रकार से सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र महिलाओं के खाते में आज से 2100 रुपये डालने शुरू किए हैं, जो महिलाओं के स्वावलंबन में मिल का पथर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि



भिवानी। पंचायत भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं।

वाहन चालकों का किया सम्मान

भिवानी। हरियाणा स्थापना दिवस पर प्रबंधक थाना लोहारू निरीक्षक जनेल सिंह ने अपनी टीम के साथ सामाजिक कार्यकर्ता विजय गोडड़ा के सहयोग से एक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को फूल भेंटकर उनका स्वागत किया तथा बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को हेलमेट वितरित कर सुरक्षित यातायात का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करना था। थाना प्रबंधक लोहारू ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल जुर्मों से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करना चाहिए। हेलमेट और सीट बेल्ट हमारी जान के रक्षक हैं। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा, गतिसीमा, मोबाइल का प्रयोग, ओवरलैडिंग आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

को एक अलग ही पहचान दिखाई देती है। हमारी भाषा रहन-सहन और पहनावा अलग ही है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश को बलिदान की जरूरत पड़ी है, हरियाणा के शूरवीरों ने आगे बढ़कर देश के लिए अपनी शहादत दी है। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुई फिलहाल बीडीपीओ पद पर कार्यरत भिवानी निवासी स्वाति अग्रवाल और श्रीराम

हरियाणवी संस्कृति की दिखी झलक

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाणा दिवस एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार से हरियाणवी वेशभूषा के माध्यम से हरियाणा के विकास व संस्कृति की झलक दिखाई। इस मौके पर वामीण संस्कृति को दर्शाने वाले हर्ष बच्चों ने भाषण, कविता, रागनी, चुटकुले, हरियाणवी नृत्य से सबका ध्यान आकर्षित किया। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ विभागा संयोजक योगेश सिंह एवं कनिष्ठ विभागा संयोजिका मंजू मलिक के द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भी श्रद्धांजलि।



भिवानी। बीके विद्यालय में सरदार पटेल को नमन करते अतिथि।

गांव प्रेमनगर में चलाया विशेष सफाई अभियान

भिवानी। शनिवार को हरियाणा दिवस पर गांव प्रेमनगर की चार सामाजिक समितियों ने हरियाणा एक-हरियाणवी एक की शपथ ली और गांव में संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में ग्राम विकास एवं शिक्षा समिति, डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा, महर्षि वाल्मीकि युवा शक्ति समिति और राजकीय उच्च विद्यालय प्रेमनगर की स्कूल प्रबंधन समिति शामिल रही। कार्यक्रम में ग्राम शिक्षा समिति प्रेमनगर व अंबेडकर महासभा के प्रभू सचिव एवं पूर्व प्राचार्य रमेशशंकर बूरा ने सभी को हरियाणा एक-हरियाणवी एक की शपथ दिलाई।



भिवानी। गांव प्रेमनगर में सफाई अभियान चलाते सामाजिक संस्थाओं के सदस्य।

सेंट जेवियर्स में मनाया हरियाणा दिवस समारोह

भिवानी। सेंट जेवियर्स में हरियाणा दिवस बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यतिथि स्कूल प्रबंधक अश्विनी चौहान, स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निदेशिका कर्ति चोहान एवं प्राचार्य ने द्वीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक परिधानों के माध्यम से राज्य की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत किया। मंच पर प्रस्तुत हरियाणवी नृत्य ने हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप प्रदान किया और उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया।

सीनियर वर्ग में एसएलबीएस और जूनियर में सिटी स्कूल रहा विजेता

हरियाणा दिवस उत्सव खेल एवं सुजनात्मकता का संगम

श्रीलाल बहादुर शास्त्री वमा विद्यालय में हरियाणा दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यालय परिसर हरियाणा की संस्कृति और परंपरा की झलकियों से सजा हुआ था। कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रेडली कबड्डी मैच का आयोजन सिटी सीनियर सेकेंडरी



भिवानी। शिक्षकों के साथ हरियाणवी संस्कृति की प्रस्तुति देने वाली छात्राएं।

सरस्वती विद्या विहार में मनाया हरियाणा दिवस

भिवानी। सरस्वती विद्या विहार विद्यालय आसलवास दूबिया में हरियाणा दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। पहली से पांचवीं के बच्चों ने मनमोहक हरियाणवी नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हरियाणा के वामीण जीवन, बोली-भाषा और परंपराओं को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया। बच्चों की मासूम अदाओं और संवादों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं कक्षा छठी से आठवीं तक की छात्राओं ने शानदार हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। सभी लड़कियां रंग-बिरंगे हरियाणवी पारंपरिक परिधानों में सजी हुई थीं और उनकी झूमर तथा घुमर की अदाओं ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। छात्राओं ने हरियाणा के प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे खिलौडियों, अमिनेताओं, पहलवानों और किसानों की भूमिका निभाकर राज्य की गौरवशाली परंपरा को मंच पर जीवंत किया। विद्यालय के चेरमैन राजबंशु सिंह ने कहा कि हरियाणा दिवस हमें हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और मेहनत की पहचान का अहसास कराता है।

हरियाणा दिवस उत्सव खेल एवं सुजनात्मकता का संगम

हरियाणा दिवस उत्सव खेल एवं सुजनात्मकता का संगम

श्रीलाल बहादुर शास्त्री वमा विद्यालय में हरियाणा दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और द्वीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यालय परिसर हरियाणा की संस्कृति और परंपरा की झलकियों से सजा हुआ था। कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रेडली कबड्डी मैच का आयोजन सिटी सीनियर सेकेंडरी



भिवानी। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

बेटी की शादी, हरियाणा दिवस व बाबा श्याम जन्मोत्सव पर रोपित की त्रिवेणी

भिवानी। अपनी शादी, हरियाणा दिवस व श्रीश्याम महोत्सव की खुशी में त्रिवेणी रोपित करती कविता।

खेतों से जल्द पानी की निकासी के लिए दिए निर्देश

जलभराव से नुकसान की भरपाई करेगी सरकार

छात्रों ने हरियाणवी संस्कृति से ओत प्रोत दी सुंदर प्रस्तुतियां

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल ने मनाया हरियाणा दिवस व राष्ट्रीय एकता दिवस

लाडो लक्ष्मी योजना की दी जानकारी

बवानीखेड़ा। हरियाणा दिवस पर एडीसी के निर्देशानुसार गांव कुंगड़ में लाडो लक्ष्मी योजना का केम्प आयोजित किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि नवीन गोयत, ग्राम सचिव विकास, विक्रम गोयत, तथा आंगनवाड़ी वर्कर संतोष, यशवंती, प्रमिला और प्रवीण उपस्थित रहे। केम्प में ग्रामीण महिलाओं और बेटियों को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करवाने तथा योजना के लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री नाथ बंसिंह सैनी की इस पहल से बेटियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। ग्रामीणों ने योजना के प्रति उत्साह दिखाया और सरकार की पहल की सराहना की।

आरएसबीवीपी प्रतियोगिता में विद्यालयों से सर्वश्रेष्ठ विज्ञान मॉडल किए जाएंगे प्रदर्शित

■ खंड स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विद्यार्थियों को मिलेगा भाग लेने का मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शिक्षा विभाग खंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। जिसमें खंड स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया जाएगा। सभी सरकारी विद्यालय जिनको हरियाणा बोर्ड या सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है और हरियाणा बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी स्कूल (सीबीएसई बोर्ड वाले निजी स्कूल भाग नहीं ले सकते) अपने विद्यालय के कक्षा 6वीं से 12वीं के

विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल तैयार करेंगे और विषयों, दिशानिर्देशों और मानदंडों के अनुसार ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 में मॉडल के साथ अपने विद्यालय की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। कनिना के विद्यालयों से विद्यार्थी 11 नवंबर को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनिना में, नांगल चौधरी खंड में 11 नवंबर को ही पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में, नारनौल में 12 नवंबर को राजकीय उच्च विद्यालय हमीरपुर में, महेंद्रगढ़ में 12 को पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ में और अटेली

क्या कहते हैं डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि विज्ञान एवं गणित के बच्चों, शिक्षकों व आमजन के बीच वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित और विकसित करने के उद्देश्य से बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। सभी विद्यालय मुखिया अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को अपनी प्रदर्शनी और मॉडल तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षकों को निर्दिष्टित करें कि वे विद्यार्थियों को उपयुक्त परियोजना उप-विषय आवंटित करने में मार्गदर्शन करें और उन्हें अपनी परियोजना को योजना बनाने में सहायता करें।

खंड के विद्यालयों से विद्यार्थी 12 नवंबर को खंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में राजकीय विद्यालय बाछोद में भाग लेंगे।

उद्देश्य और कार्य योजना

वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना: स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक

रुचि और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना, लोकप्रिय बनाना और विकसित करना, ताकि बच्चे विज्ञान और गणित में अपनी प्रतिभा और हमारे दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोगों का प्रदर्शन कर सकें।

प्रतिभा को पोषित करें: विज्ञान

बीते वर्ष यह थी उपलब्धि

गत वर्ष भी महेंद्रगढ़ जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौडा आहीर की कक्षा नौवीं में पढ़ने वाला छात्र मनीष ने 26 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2024 तक हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई (सोनोपत) हरियाणा में आयोजित हुई 51 वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में जिले और राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से कुल 185 और हरियाणा राज्य के कुल 96 प्रतिभागी थे। पुणे में हुई 50 वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भी जिले से राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय कनिना की छात्रा हिमांशी ने भाग लिया था। इस तरह की उपलब्धियां सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करती हैं। वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रदर्शित होने वाले मॉडल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

और गणित में छात्रों के बीच आविष्कारशील और रचनात्मक प्रतिभा की पहचान करना और उसका पोषण करना। **स्तरीय प्रतियोगिता:** ब्लॉक स्तर के कार्यक्रम जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों के लिए सहायक होते हैं।

क्या कहते हैं डीएसएस

जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र कुमार ने बताया कि मॉडल मैकिंग में कक्षा छठी से बारहवीं के विद्यार्थी सर्वप्रथम खंड स्तर पर भाग लेंगे। खंड स्तर पर सात उपविषयों पर होने वाली बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में सभी उपविषयों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिला स्तर पर भाग लेंगे। प्रत्येक खंड से कुल 21 विद्यार्थी अपने मार्गदर्शक अध्यापक के साथ जिला स्तर पर भाग लेंगे। जिला स्तर पर विजेता विद्यार्थी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी दिखा सकते हैं।

विषय एवं उपविषय

इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकासशील और आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, और गणित (एसटीईएम) है। इसमें सात अलग अलग उपविषयों पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर खंड स्तर पर भाग लेना है। उप-विषय सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उमरती प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण और प्रबंधन है।

खबर संक्षेप

यूरो स्कूल में सांस्कृतिक समारोह आयोजित

कनिना। यूरो स्कूल में हरियाणा दिवस के मौके पर सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। उनका ध्येय है कि अपनी संस्कृति व अच्छे संस्कारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर सकें तथा वे अपने उज्वल भविष्य व अपने पारिवारिक संबंधों के प्रति जागरूक हों। इस मौके पर सतवीर यादव, लखन लाल, मौनू दूबे, विकास, कंवर सिंह, रिंतु नंबर, सुमन यादव, तन्नु गुप्ता आदि उपस्थित थे।

महिपाल नम्बरदार बने एनसीसीए के अध्यक्ष

कनिना। नेशनल क्राइम कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने गांव बागोत निवासी महिपाल नम्बरदार को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील अत्री, चेयरमैन अमन गुप्ता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी नियुक्ति के बाद वे गरीब लोगों की सहायता व इंसाफ दिलाने में मदद करेंगे।

लोगों में प्रशासन के प्रति बढ़ रहा आक्रोश

विवाह शादियों के सीजन से बाजार गुलजार, अतिक्रमण बनी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में वैसे तो हमेशा ही सड़कों तक फैला अतिक्रमण लोगों के लिए मुसीबत बनता है, लेकिन शादियों के सीजन से पहले इसे न हटने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब विवाह शादियों का सीजन में अतिक्रमण करने वालों की संख्या और बढ़ जाती है।

इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कार्रवाई नहीं की जाती है। शहर के मुख्य बाजार और चौराहों को भी अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया जा रहा है। इस समय शहर का मुख्य बाजार के हालत यह है कि दिन में बाइक निकालना भी मुश्किल हो जाता है। क्योंकि दुकानें सड़क तक फैली हुई हैं, इसके बाद वहां पर अस्थायी रेहड़ी लगाने के कारण बाजारों ने गलियों का रूप ले लिया है। अतिक्रमण के कारण यहां दिन में पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सड़क एक छोटी सी गली बनकर रह जाती है।



महेंद्रगढ़। शंकर मार्केट में लगा जाम। फोटो: हरिभूमि

बाजार में महिला ग्राहकों की संख्या ज्यादा रहती है। शहर के बालाजी चौक से सब्जी मंडी की ओर जाने वाले मार्ग पर हर समय जाम की समस्या रहती है। खास बात यह है कि यहां पर पुलिस कर्मी होने के बाद भी लोग जाम के झाम से जुझते हैं। यही नहीं आवाग पशु भी अक्सर यहां पर परेशानी का सबब बन जाते हैं। ऐसे में कई बार यहां पर लंबा जाम लग जाता है। जिससे लोग में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। आसपास के रहने वालों ने बताया कि यहां पर पुलिसकर्मी

जल्द चलेगा अभियान

नगर पालिका की ओर से जल्द शहर में अतिक्रमण हटाने अभियान चलाया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़

होने के बाद भी अतिक्रमण की वजह से लोगों को जाम से जुझना पड़ता है। कई बार नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया जाता है, लेकिन कुछ दिन के बाद अतिक्रमण जस का तस हो जाता है।

विवाह-शादी के सीजन में बढ़ रही परेशानी

इस समय शादी-विवाह का सीजन चल रहा है। इसलिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में आसपास के गांवों सहित शहरवासी बाजारों में खरीदारी करने के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन पार्किंग नहीं होने के कारण वे अपने वाहन इधर-उधर खड़ा कर देते हैं या फिर बाजारों में ही वाहन ले जाते हैं। इससे हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे अन्य वाहन चलक व राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शादियों का सीजन शुरू

बता दें कि विवाह-शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। जिससे बाजार में ग्राहकों के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ गई है। इस वक्त बाजार में सभी प्रकार के वाहन आना जाना शुरू हो गए हैं। इस कारण बाजार में शादी ब्याह का सामान उठाने के लिए ट्रैक्टर, ट्रैली के साथ लोडिंग वाहन की संख्या भी अधिक बढ़ गई है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के ये बाजार अतिक्रमण की चपेट में

बता दें कि शहर की गांधी मार्केट, शांति कॉम्प्लेक्स, 11 हट्टा बाजार, आईटीआई रोड, रेलवे रोड, सिनेमा रोड, सरफा बाजार, अंबेडकर चौक की ओर जाने वाला मार्ग, मसाली चौक, मसाली चौक की ओर जाने वाला मार्ग सहित अनेक बाजारों में दुकानदारों ने अतिक्रमण किया हुआ यहाँ नहीं नगर पालिका कार्यालय के सामने बनी दुकानदारों ने भी आधी सड़क पर अपना सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता नगर पालिका कार्यालय के सामने ही अतिक्रमण है तो वह नगर पालिका के अधिकारी शहर को कैसे अतिक्रमण मुक्त करवा पाएगा।



महेंद्रगढ़। हरियाणवी वेशभूषा में सज्जे बच्चे। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल में ननाया हरियाणा दिवस

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल हरियाणा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने भाग लिया और हरियाणा की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय संरक्षक महेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के सामने दूध प्रज्वलित करके की गई। छात्रों ने हरियाणा की संस्कृति का प्रदर्शन किया, जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। छात्रों को हरियाणा के इतिहास और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने भाग लिया और पुरस्कार जीते। प्रधानाचार्य नरेश सिंह ने छात्रों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह दिन हमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है। समापन में चेयरमैन विजय यादव टुमना ने सभी को बताया कि हरियाणा आज ही के दिन एक नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग होकर अलग राज्य बन था और तब से आज तक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है।



महेंद्रगढ़। विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी में इंटर स्कूल साईंस विजय प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में इंटर स्कूल साईंस विजय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में यदुवंशी की सभी 14 शाखाओं की टीमों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विज्ञान ज्ञान का प्रदर्शन किया। विजय के दौरान विज्ञान से संबंधित विविध प्रश्न पूछे गए, जिसका उत्तर प्रत्येक टीम ने उत्साहपूर्वक दिया। प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्ग 9वीं व 10वीं व 11वीं व 12वीं कक्षा गुप में हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तर्कशक्ति और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था। निर्णायकों का निर्णय निष्पक्ष और उचित रहा, जिसमें 9-10 कक्षा वर्ग में यदुवंशी सनाली, यदुवंशी मंडौला संयुक्त रूप से प्रथम यदुवंशी जीत द्वितीय व यदुवंशी महेंद्रगढ़ तृतीय स्थान पर रहे। वहीं 11-12 कक्षा गुप वर्ग में प्रथम स्थान पर यदुवंशी हॉसी, द्वितीय स्थान पर यदुवंशी महेंद्रगढ़ व यदुवंशी नारनौल व तृतीय स्थान पर यदुवंशी, धनवास रहा। विजेता टीम को मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। गुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस विजय का उद्देश्य केवल विजेता तय करना नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा की भावना को विकसित करना है। विज्ञान केवल एक विषय नहीं है, यह सोचने, समझने और नए आयाम खोजने की प्रक्रिया है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव, वाइस चेयरमैन संगीता यादव, गुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने शुभकामनाएं दी।

चार वरिष्ठ लैब सहायकों को पदोन्नत करने के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौली

भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत चौबे को नारनौल मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। शनिवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हेमंत चौबे का फूलमालाओं से स्वागत किया। पूर्व में भाजपा के जिला सह प्रवक्ता व मंडल महामंत्री रह चुके हेमंत चौबे बजरंग दल के जिला संयोजक के रूप में

भी कार्य कर चुके हैं। पार्टी में लंबे समय से सक्रिय चौबे ने विभिन्न पदों पर रहते हुए अनेक सफल कार्यक्रमों का संचालन किया है। जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने बताया कि हेमंत चौबे की संगठन के प्रति निष्ठा व कार्यशीली पार्टी के लिए प्रेरणादायक रही है। हेमंत चौबे ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली, जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, पूर्व मंत्री प्रो. रामविलास शर्मा, विधायक ओमप्रकाश यादव, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राकेश शर्मा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया।



महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले रहे बच्चे। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस स्कूल में हरियाणा दिवस पर प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कनिना। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल मड़फ में हरियाणा दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें नृत्य, गायन, रागिनी, भाषण और विकास प्रतियोगिता आदि शामिल थी। इन गतिविधियों ने हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया। स्कूल की अध्यक्ष डॉ. पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव और डिप्टी सीईओ कुणाल राव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और विरासत पर गर्व करने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा दिवस के इस आयोजन ने विद्यार्थियों में राज्य की संस्कृति और इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूल प्रिंसिपल यशोति भट्ट ने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का आश्वासन दिया।

अध्यापिकाओं की म्यूजिकल चैयरस के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं फाइनल मुकाबले आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में शनिवार को 22वें दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ किया गया। इस मौके पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रामानंद मुख् अतिथि थे। स्कूल के डायरेक्टर हुक्मसिंह तंवर व मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जबकि मंच संचालन राजनीतिज्ञ विज्ञान के प्रवक्ता रामनिवास चैहान ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। उसके बाद स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।



महेंद्रगढ़। खेलकूद में भाग लेते खिलाड़ी व हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि



हामांशी ने प्रथम, महक ने द्वितीय व भूमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 100 मीटर की रेस में रानी लक्ष्मीबाई हाउस से अमित ने प्रथम, कुशल ने द्वितीय व आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 200 मीटर की रेस में रानी लक्ष्मीबाई हाउस से अमित ने प्रथम, केशव ने द्वितीय तथा राव तुलाराम हाउस से नितेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की 200 मीटर की रेस में कल्पना चावला हाउस से नताशा ने प्रथम, हिमांशी ने द्वितीय व सिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में आयोजित 400 मीटर की रेस में केशव ने प्रथम, अमित ने द्वितीय व नितेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की 200 मीटर की रेस में केशव ने प्रथम, अमित ने द्वितीय व नितेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की सीनियर वर्ग में आयोजित 400 मीटर की रेस में नताशा ने प्रथम, खुशी ने द्वितीय तथा भूमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों जूनियर वर्ग में आयोजित कबड्डी के मुकाबले में रानी लक्ष्मीबाई हाउस ने महाराणा प्रताप हाउस को तथा राव तुलाराम हाउस ने कल्पना चावला हाउस को हराया। लड़कों के खो-खो के मुकाबले में महाराणा प्रताप हाउस ने कल्पना चावला हाउस को व राव तुलाराम हाउस ने रानी लक्ष्मीबाई हाउस को हराया। लड़कियों के खो-खो मुकाबले में राव तुलाराम हाउस ने महाराणा प्रताप हाउस व कल्पना चावला हाउस ने रानी लक्ष्मीबाई हाउस को हराया।

यह बोले मुख्यातिथि

मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का अत्यंत महत्व है। खेलों के बिना विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। एक अच्छा खिलाड़ी खेलों के माध्यम से भी अपने साथ-साथ अपने माता-पिता व देश का नाम गौरवान्वित कर सकता है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को हर जीत की परवाह ना करते हुए प्रत्येक प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेना चाहिए। चेयरमैन सतन सिंह ने सभी विद्यार्थियों को खेल को खेल की भावना से खेलने की शपथ दिलवाते हुए कहा कि खेल में हार व जीत तो होती रहती है। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रतिस्पर्धा, परिश्रम की भावना भी उत्पन्न होती है, जो बच्चों को अपने जीवन के लक्ष्य को हासिल करने में सार्थक सिद्ध होती है।



महेंद्रगढ़। वेस खेलेते नासा स्कूल के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। पुलिस की ओर से नशा मुक्ति जागरूक अभियान के तहत सीएल पब्लिक स्कूल में जागरूकता सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में महावीर चौकी प्रभारी जयभगवान की उपस्थिति में हरियाणी फिल्म डायरेक्टर भारत बोहरा व उनके समूह के अन्य कलाकारों ने स्कूल के विद्यार्थियों को एक लघु नाटिका के माध्यम से नशा मुक्ति व साइबर अपराध के बढ़ते हुए मामलों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए समझाया कि किसी भी तरह के नशे को न अपनाने की जागरूकता स्वयं हमें अपने अंदर लानी होगी तथा समाज में अच्छा अग्रणी सहयोग देना होगा। इस संबंध में बच्चों तथा अध्यापकों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने विद्यार्थियों को संवेत करते हुए समझाया कि अनजान शिक पर किलक का चर तथा किसी अनजानी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में ओटीपी न बताए। यदि किसी के साथ साइबर अपराध हो जाता है, तो बिना देरी के हल्पलाइन नम्बर 1930 पर सूचना देकर अपनी शिकयत दर्ज करवाए।



महेंद्रगढ़। वेस खेलेते नासा स्कूल के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

नासा स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा स्थापना दिवस पर नासा पब्लिक स्कूल में हरियाणा को जानने प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चेयरमैन सुरेश कुमार भगडान ने बताया कि इस दौरान एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुष्पों ने प्रथम, राशु ने द्वितीय तथा तनिष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चेयरमैन सुरेश कुमार ने बच्चों को हरियाणा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हरियाणा के जन्म से लेकर उसकी प्रगति, संस्कृति और रीति रिवाज के बारे में बच्चों को बताया। इस अवसर बच्चों ने इंडोर गेम्स शतरंज और लूडो खेल कर मनोरंजन किया। इस अवसर पर संजीव कुमार, नवनीत, हवासिंह गडानिया, हितेश, अंजलि, शीतल, पूजा और सुष्मा आदि मौजूद रहे।

स्लम एरिया टैलेट में बच्चों ने दिखाई संस्कृति की झलक

नारनौल। स्लम एरिया टैलेट प्रांगण में हरियाणा दिवस बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हरियाणा राज्य के गौरवना के साथ हुई। जिसके बाद बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में कुल 12 बच्चों ने हिस्सा लिया। जिन्होंने रपीच, नृत्य व गायन के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, गौरवशाली इतिहास को बखूबी प्रस्तुत किया। कुछ बच्चों ने हरियाणा की किन्नी से जुड़े लोकगीत व नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को हरियाणवी रंग में रंग दिया।



महेंद्रगढ़। दौड़ लगाते किड्स के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

ओम साईराम स्कूल में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईराम किड्स प्ले स्कूल की कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के बच्चों की दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन गत दिवस करवाया गया। प्राचार्या सविता यादव की देखरेख में करवाई गई इन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सभी कक्षाओं की दौड़ में अंशु, छवि, आरही, देव, रोहित, जियान, तवीश, कार्तिक, राश प्रथम स्थान पर रहे। तेजस, अक्वी, वंशिका, भावेन, नय्या, यशमान, कनिष्का, तनिष, ऋषभ द्वितीय स्थान पर तथा राघव, पूर्ण, दक्षित, तेजस्विनी, युक्तराज, गीतिका, हरशी, मनिष्य, लक्ष्य तृतीय स्थान पर रहे। गुब्बारा दौड़ में अंशु, आरही, ध्रुव, रोहित प्रथम स्थान पर शिवांश, दक्षित, लव्यांस, मुकुल द्वितीय व पूरव, वंशिका, भावेन, दक्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या सविता यादव के द्वारा सभी में मेधावी बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित करते उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में ननाया हरियाणा दिवस

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में हरियाणा दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। नौवीं कक्षा से छात्रा पूजा ने हरियाणवी बोली में भाषण देते हुए कहा कि हमें पिज्जा, बर्गर पचता कोनी, साधारण सै महरा खाना। इन्से से महरा हरियाणा। लछी कक्षा ने नय्या यादव ने हरियाणा की स्थापना पर टिप्पणी करते हुए विचार प्रस्तुत किए। छात्रा जानवी, दिव्या, अशिका यादव, हरमनाझ ने भी हरियाणा की प्रतिभाओं का बखान करते हुए विचार प्रकट किए। छात्रा दिव्या चौधरी ने 'मे सू हरियाणा की छेरी' गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। हाउस कॉन्डिक्टर इंवांशु रोहित यादव ने अपने भाषण में हरे-भरे हरियाणा को साफ सुथरा रखने पर बल दिया। मंच संचालक अध्यापिका अनिता शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किया कि हरियाणा भारत व हमें समृद्ध प्रांतों में गिना जाता है। यहां की हरी-भरी हरियाली और सौधा खाद खाना इनकी पहचान है। हमें हमारे हरियाणा और हरियाणवी होने पर गर्व है, क्योंकि खेलों में पूरे देश का नेतृत्व हमारा हरियाणा करता है।



कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत



कवर स्टोरी

लोकप्रिय गीतग

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरों और कहावतों दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की'। ये कहावतें या मुहावरें अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अक्सर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अक्सर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूँढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास को नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने

को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।
मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोलनी जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतना है कि अगर हम जल्दी चेत नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अक्सर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट'



आत्मचिंतन / रहिम वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम है- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।
अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी आशा प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द



हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिक्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मनुभूति का द्वार मौन

श्रेयस्कर रहा।
आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्तें कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है, क्योंकि



जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दार्पित / डॉ. मोनिका शर्मा
हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देखे लिखे गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतना भी लीए।
बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवतारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके रहने और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेप्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानियों में बिचकली ही टूट जाते हैं। उलझती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और



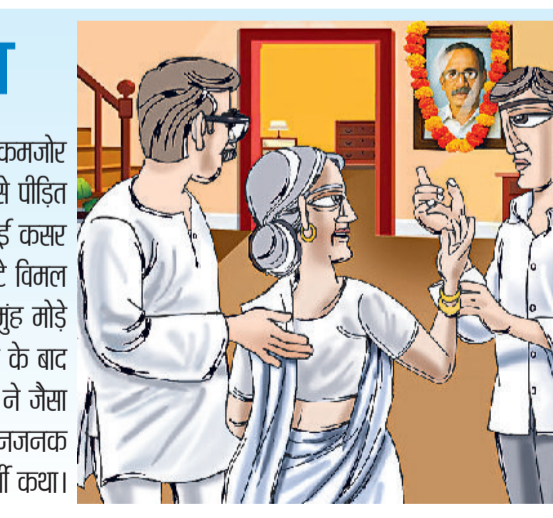
रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

छोटी कहानी / सविता गोयल

दोहे / चमंडीलाल अग्रवाल
सूनी-सी दहलीज
सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी वो चुकी, घर गरीब के बीज।
जैसे को तैसा मिले, खे ल्गलावर परत।
वह भी फिर आरवस्त-सा, रम भी फिर आरवस्त।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निःसंदिग्ध नई चुनौतियाँ, हर पल करिए गौर।
पांव कुल्लाई गार ली, गण संभलना भूल।
गढ़ा आया सागने, काहे गिरे किजुल।
गीता, रामायण बीटी, बांधे देव, कुरान।
छे न सका इंसान तो, एक अद्रद इंसान।
भरी भीड़ में रम हुए, बहुत अक्रेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपाय को धन दिया, धन लैगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तब बीमार।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।
फिसला करती लथ से, पाई कोई चीज।
छोटे हैं संसार में, ऐसे कुछ नाथीज।
मले विवेकानंद हो, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।
पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'
इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुरतैनी मकान में रहते हैं। लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्च भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'



बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं

चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थायी हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूँढ़ना ही आंतरिक मौन है। वहीं ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।
संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियाँ ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है।
वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर किताना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

पुस्तक रचा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी
आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *



पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी, **लेखक:** प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर, **मूल्य:** 600 रुपये, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन, आसफ ली रोड, नई दिल्ली



इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइट सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वाइट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइट सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हथिये हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नेक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक

शिल्कर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टोक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सपरट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे विषाजल जंगल के बीच से ले जाएगी। k



भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरि पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सुट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों की जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k



द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकूवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k



झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेलगाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k



शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहें शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड

प्रतिभा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है। क्या होती है शर्ट-जैकेट? शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फेब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।



इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनेल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डरॉय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी या खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेडर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वाइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को केरी किया जा सकता है। युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिक्तोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके

लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बांडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंटेस्ट और यूट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बांडी पर खूब फव्वती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट-जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनेल चेक शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई है तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें परेटल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लैक पिंक और ग्रे। कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें

मनोज प्रकाश

पर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-टिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है। हर तरह की भूमिकाएं निभाई: 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्मों की सभों में उनके डाइलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में हैं, जो भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है। 'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना

प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया। हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लॉकन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में बिजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरुलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक इमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्रढ़ को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं। ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हार्मिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों को उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, 'अनामिका' का 'मेरी भीगी भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूँढता है फिर वहीं फुसंत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं। अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गईं। खुद के बारे में भी कई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k



दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों को उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, 'अनामिका' का 'मेरी भीगी भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूँढता है फिर वहीं फुसंत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं। अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गईं। खुद के बारे में भी कई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k



'आंधी' में सुवित्रा सेन के साथ संजीव कुमार



'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार